

गिरते हुए को श्याम धणी क्या | By Shyam Salona

गिरते हुए को श्याम धणी क्या अपने गले लगाओगे
कोई नहीं जो मुझे थाम ले, क्या तुम हाथ बढ़ाओगे
गिरते हुए को

हैं खुदगर्जी मेरी बाबा विपदा पड़ी तब याद किया
बिलख बिलख कर रोया दर पे तुझसे ही फरियाद किया
खूब रो लिया दास ये तेरा, क्या तुम ज़रा हंसाओगे
गिरते हुए को

अपना समझ कर कोई नहीं जो मुझको सहारा दे पाए
आकर मेरी बांह पकड़ ले साथ हमारा दे पाए
बेगाने हैं लोग यहाँ पर, क्या तुम मुझे अपनाओगे
गिरते हुए को

जीवन डोरी थाम लो मेरी जैसे चाहे हिलाओ तुम
सुख दुःख माधव हंस के सहेगा जैसा हमें नचाओ तुम
वादा करो बस श्याम ये हमसे, छोड़ नहीं तुम जाओगे
गिरते हुए को

<https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%97%e0%a4%bf%e0%a4%b0%e0%a4%a4%e0%a5%87-%e0%a4%b9%e0%a5%81%e0%a4%8f-%e0%a4%95%e0%a5%8b-%e0%a4%b6%e0%a5%8d%e0%a4%af%e0%a4%be%e0%a4%ae-%e0%a4%a7%e0%a4%a3%e0%a5%80-%e0%a4%95%e0%a5%8d%e0%a4%af/>